

20 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राज्यवस्था:

1. सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ चुनाव के बाद विधायकों की खरीद-फरोख्त की पहचान की:
2. केंद्र राज्य के दर्जे पर चर्चा के लिए सहमत हो गया है: लद्दाख के नेता
3. केंद्र-केरल वार्ता विफल; SC करेगा मुकदमे की सुनवाई:

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

जैव विविधता एवं पर्यावरण:

1. 'वन' के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसका वास्तविक मतलब शब्दकोश में देखो:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. जब तक हमास बंधकों को मुक्त नहीं करता, इज़राइल रमज़ान के दौरान भी लड़ाई जारी रखेगा:

पारिस्थिकी एवं पर्यावरण:

1. केरल में मानव-वन्यजीव संघर्ष क्यों बढ़ रहा है?
2. नए एआई कैमरे से सोशल मीडिया पर लाइव तस्वीरें आने से इडुक्की के जंगलों में हाथियों की ट्रैकिंग आसान हो गई है:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. अमेरिकी जहाज पर दो बार हमला होने के बाद यूरोपीय संघ ने लाल सागर मिशन शुरू किया:
2. नीलगिरि पर प्रतिबंध:
3. सौ साल पहले, सत्येन्द्र नाथ बोस ने भौतिकी को हमेशा के लिए बदल दिया:
4. शनि के चंद्रमा मीमास की परत के नीचे एक महासागर हो सकता है:
5. ब्रेकथ्रू पुरस्कार विजेता ने 'कीमती' प्रोटीन संरचनाओं को इकट्ठा करने का आह्वान किया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ चुनाव के बाद विधायकों की खरीद-फरोख्त की पहचान की:

राजव्यवस्था:

विषय: भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

मुख्य परीक्षा: चुनावी मुद्दे।

विवरण:

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने खरीद-फरोख्त और चुनावी कदाचार के संभावित उदाहरणों का हवाला देते हुए चंडीगढ़ मेयर चुनाव के संबंध में महत्वपूर्ण चिंताएं जताई हैं।
- अदालत के निर्देश और टिप्पणियाँ चुनावी अखंडता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के आसपास के व्यापक मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं।

कानूनी निहितार्थ और प्रस्तावित समाधान:

- चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई चुनावी पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाती है।

- एक प्रस्ताव में एक नए रिटर्निंग अधिकारी के तहत नए सिरे से चुनाव का सुझाव दिया गया था, जबकि एक वैकल्पिक समाधान ने डाले गए मतपत्रों की फिर से गिनती का प्रस्ताव दिया।
- सर्वोच्च न्यायालय का कड़ा रुख लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पवित्रता को बनाए रखने और चुनावी अखंडता की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप का महत्व:

- सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप चुनावी प्रक्रियाओं में निष्पक्षता और निष्पक्षता के महत्व को रेखांकित करता है।
- चुनावी कदाचार के कथित मामलों की जांच करके और खरीद-फरोख्त की चिंताओं को संबोधित करके, अदालत लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि करती है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

केंद्र राज्य के दर्जे पर चर्चा के लिए सहमत हो गया है: लद्दाख के नेता

राज्यव्यवस्था:

विषय: सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप, संघवाद।

मुख्य परीक्षा: लद्दाख के राज्य दर्जे से संबंधित मुद्दा।

विवरण:

- लद्दाख के नागरिक समाज समूहों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में देरी करने का फैसला किया है।
- यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा एक निर्धारित बैठक में उनकी मांगों को संबोधित करने पर सहमत होने के बाद आया है।

संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग:

- लद्दाख के नागरिक समाज द्वारा रखी गई मांगों में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं, जिनमें लद्दाख को राज्य का दर्जा देना, संविधान की छठी अनुसूची (Sixth Schedule) में उल्लिखित जनजातीय दर्जे के तहत क्षेत्र को शामिल करना और लद्दाख के लिए एक समर्पित लोक सेवा आयोग की स्थापना शामिल है।
- ये मांगें क्षेत्र की अनूठी जरूरतों के अनुरूप बढ़े हुए प्रतिनिधित्व और शासन संरचनाओं के लिए समुदाय की आकांक्षाओं को दर्शाती हैं।

प्रगति और भविष्य पर चर्चा:

- गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने राज्य के दर्जे और संवैधानिक सुरक्षा उपायों के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा नहीं की।
- इसके बजाय, उन्होंने लेह और कारगिल की पहाड़ी परिषदों की वित्तीय शक्तियों को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा।
- हालाँकि, नागरिक समाज समूहों ने अपनी मांगों पर चर्चा के संबंध में समय पर आश्वासन प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया।

निष्कर्ष:

- जैसे-जैसे लद्दाख अपनी राह आगे बढ़ा रहा है, भूख हड़ताल का स्थगन सकारात्मक बदलाव लाने में बातचीत, सहयोग और वकालत के महत्व को रेखांकित करता है। वार्ता में लद्दाख की मांगों को संबोधित करने और क्षेत्र में समावेशी शासन और विकास की दिशा में एक रास्ता तैयार करने का महत्वपूर्ण वादा किया गया है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

केंद्र-केरल वार्ता विफल; SC करेगा मुकदमे की सुनवाई:

राज्यवस्था:

विषय: संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ।

मुख्य परीक्षा: केंद्र राज्य संबंध

विवरण:

- एक महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ([Supreme Court](#)) ने केंद्र सरकार के खिलाफ केरल राज्य द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई आगे बढ़ाने का फैसला किया है।
- मुकदमे में केरल के वित्तीय मामलों में केंद्र द्वारा मनमाने ढंग से हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है, जो दोनों संस्थाओं के बीच चल रहे विवाद में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

विफल वार्ता शीघ्र कानूनी कार्रवाई:

- बातचीत के प्रयासों के बावजूद, केरल और केंद्र के बीच बातचीत विफल रही, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा।
- केरल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को ₹ 11,000 करोड़ के अनुदान के बदले मुकदमा वापस लेने के केंद्र के प्रस्ताव के बारे में सूचित किया।
- हालाँकि, पार्टियों के बीच गतिरोध को उजागर करते हुए, केरल ने तर्क दिया कि वह पहले से ही इस राशि का हकदार था।

आरोप और प्रतिवाद:

- कानूनी लड़ाई राजकोषीय नीतियों और राज्य की स्वायत्तता को लेकर केरल और केंद्र के बीच व्यापक संघर्ष को दर्शाती है।
- केरल ने केंद्र पर राज्य के वित्त को कम करने के उद्देश्य से नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया है, जबकि केंद्र ने केरल के वित्तीय प्रबंधन की आलोचना की है और राज्य को आर्थिक रूप से अस्वस्थ करार दिया है।

- यह विवाद राजकोषीय क्षेत्राधिकार और शासन को लेकर राज्य और केंद्रीय अधिकारियों के बीच तनाव को रेखांकित करता है।

निहितार्थ और भविष्य की कार्यवाही:

- मुकदमे को आगे बढ़ाने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय मौजूदा मुद्दों की गंभीरता और राज्यों और केंद्र के बीच कानूनी तरीकों से विवादों को सुलझाने के महत्व को दर्शाता है।
- जैसे-जैसे केंद्र के खिलाफ केरल का मुकदमा आगे बढ़ता है, यह राज्यों और केंद्र सरकार के बीच शक्ति संतुलन के बारे में बुनियादी सवाल उठाता है।
- कानूनी कार्यवाही के नतीजों का भारत में संघीय संबंधों और वित्तीय स्वायत्तता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, जो राष्ट्रीय महत्व के विवादों को सुलझाने में न्यायिक हस्तक्षेप के महत्व को रेखांकित करेगा।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

'वन' के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसका वास्तविक मतलब शब्दकोश में देखो:

जैव विविधता एवं पर्यावरण:

विषय: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।

मुख्य परीक्षा: जंगल की परिभाषा।

विवरण:

- एक महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 'वन' शब्द की विस्तृत व्याख्या की पुष्टि की है, जिसमें 1.97 लाख वर्ग किलोमीटर अघोषित वन भूमि को शामिल करना सुनिश्चित किया गया है।
- यह ऐतिहासिक निर्णय 1980 के वन (संरक्षण) अधिनियम (Forest (Conservation) Act of 1980) में संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं से उपजा है, जिसमें वनों की परिभाषा को सीमित करने की मांग की गई थी।

न्यायालय का स्पष्टीकरण और निर्देश:

- याचिकाओं का जवाब देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को 'वन' के अर्थ को शब्दकोश में देखो और इसका वास्तविक मतलब समझने का निर्देश दिया, जैसा कि 1996 के ऐतिहासिक T.N. गोडावर्मन तिरुमुलपद मामले में स्थापित किया गया था।
- न्यायालय ने वन भूमि की प्रकृति, वर्गीकरण या स्वामित्व के बावजूद, इस शब्द की व्यापक व्याख्या की आवश्यकता पर बल दिया है।

कार्यान्वयन योजना और समयरेखा:

- अपने फैसले के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, सुप्रीम कोर्ट ने एक व्यापक योजना की रूपरेखा तैयार की है।
- इसने पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के नियम 16 के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा वन भूमि के समेकित रिकॉर्ड के संकलन को अनिवार्य कर दिया है।
- राज्यों को ये रिकॉर्ड 31 मार्च, 2024 तक जमा करने होंगे और मंत्रालय इन्हें 15 अप्रैल, 2024 तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा।

निष्कर्ष:

- वनों की परिभाषा पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय भारत के पर्यावरण न्यायशास्त्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- 'वन' की विस्तृत व्याख्या को बरकरार रखते हुए, न्यायपालिका पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

संपादकीय:

जब तक हमस बंधकों को मुक्त नहीं करता, इजराइल रमज़ान के दौरान भी लड़ाई जारी रखेगा:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: गाजा में चल रहा संघर्ष और भारत-इजरायल संबंधों पर इसका प्रभाव।

प्रसंग:

- इजराइल ने हमस को कड़ी चेतावनी देते हुए गाजा में अपना आक्रमण तेज कर दिया है।
- उसके द्वारा जारी अल्टीमेटम में सभी बंधकों की रिहाई की मांग की गई है साथ ही रमज़ान तक हमले जारी रखने की धमकी दी गई है।
- विशेष रूप से मिस्र की सीमा के पास स्थित घनी आबादी वाले राफा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

फ़िलिस्तीनी नागरिकों के लिए गंभीर स्थितियाँ:

- रफ़ा में 14 लाख फ़िलिस्तीनियों की दुर्दशा पर चिंताएँ बढ़ गई हैं।
- विशेष रूप से मिस्र की सीमा के पास स्थित घनी आबादी वाले राफा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- नागरिकों को लगातार बमबारी और भीड़भाड़ वाले आश्रयों में भोजन की गंभीर कमी का सामना करना पड़ता है।
- मानवीय संकट गहरा गया है क्योंकि अस्थायी तंबू विस्थापित आबादी को समायोजित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हताहतों की संख्या और विनाश में वृद्धि:

- रात भर के हमलों और लड़ाइयों में 100 से अधिक फ़िलिस्तीनियों की जान चली गई, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की थी।
- गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों की संख्या 29,000 से अधिक है।
- खान यूनुस क्षेत्र में भीषण लड़ाई देखी जा रही है, जिससे मानवीय संकट और बढ़ गया है, खासकर राफा के निकट।

इज़राइल का दृढ़ संकल्प और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रियाएँ:

- इजरायली युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैट्ज़ ने रमजान द्वारा बंधकों को रिहा नहीं किए जाने पर रफाह को निशाना बनाते हुए आक्रामक कार्रवाई को बढ़ाने की तैयारी पर जोर दिया।
- ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डी सिल्वा ने इज़राइल पर "नरसंहार" का आरोप लगाया, और यहूदियों के खिलाफ हिटलर के अत्याचारों की तुलना की।
- इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने टिप्पणी को "शर्मनाक" बताते हुए निंदा की, जबकि इजरायल के विदेश मंत्री काट्ज़ ने लूला डी सिल्वा को "अवांछित व्यक्ति" घोषित करने की धमकी दी, जब तक कि माफी जारी नहीं की जाती।

सारांश:

- इजराइल ने गाजा में हमले तेज कर दिए हैं और मांग की है कि हमास बंधकों को रिहा करे नहीं तो रमजान में लगातार हमलों का सामना करने के लिए तैयार रहे। राफ़ा में 14 लाख फ़िलिस्तीनियों के लिए गंभीर स्थितियाँ बनी हुई हैं। बढ़ती हताहतों की संख्या और विनाश के बीच अंतर्राष्ट्रीय निंदा बढ़ती जा रही है।

केरल में मानव-वन्यजीव संघर्ष क्यों बढ़ रहा है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पारिस्थिकी एवं पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: बढ़ते मानव-पशु संघर्ष का कारण और संभावित समाधान।

विवरण: केरल में मानव-पशु संघर्ष का पैमाना।

- राज्य वन विभाग के अध्ययन के अनुसार केरल के 1,004 क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष (human-wildlife conflict) देखा गया है।
- वर्ष 2013-14 और वर्ष 2018-19 के बीच प्रमुख फसलों को नुकसान की 48,000 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं।
- उत्तरी नीलांबुर, दक्षिणी वायनाड और उत्तरी वायनाड वन क्षेत्र में प्रमुख संघर्ष वाले स्थानों की संख्या सबसे अधिक थी।
- सबसे अधिक घटनाओं में जंगली हाथी शामिल थे, उसके बाद जंगली सूअर, बोनट मकाक और सांप शामिल थे।
- हाथियों, बोनट मकाक और जंगली सूअरों ने सीमांत वन क्षेत्रों में रहने वाले किसानों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया।
- सांभर, चित्तीदार हिरण और गौर जैसे शाकाहारी जानवरों ने भी फसल क्षति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- 814 पशुओं के मारे जाने या घायल होने की सूचना मिली थी, जिनमें से 420 का शिकार बाघ द्वारा किया गया था।

मानव-वन्यजीव संघर्ष में वृद्धि के कारण:

- वन्यजीव आवासों के आसपास खेती के क्षेत्र में वृद्धि।
- फसल पैटर्न बदलना।
- संरक्षण प्रयासों के कारण जानवरों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि।

- असुविधाजनक समय के दौरान वन्यजीवों के आवासों में पशुओं और मनुष्यों की आवाजाही।
- मानवीय गतिविधियों के कारण आवास की कमी और विखंडन।
- आक्रामक विदेशी प्रजातियों ([invasive alien species](#)) के कारण भोजन और पानी की उपलब्धता में कमी।
- पौधों की जैव विविधता पर मोनोकल्चर का प्रतिकूल प्रभाव।

प्रस्तावित समाधान और उनकी प्रभावशीलता:

- यदि ठीक से रखरखाव किया जाए तो हाथी-रोधी खाइयाँ और सौर ऊर्जा बाड़ प्रभावी हैं।
- हाथियों की पहुंच से दूर प्रस्तावित लटकती बिजली की बाड़ें।
- जंगलों में उपयुक्त स्वदेशी पौधे लगाने से जंगली जानवरों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें कृषि भूमि से दूर रखा जाता है।
- खतरनाक जानवरों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ड्रोन और निगरानीकर्ताओं का उपयोग करके प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का निर्माण।

ESZ (पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र) मानक से कनेक्शन:

- मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के समाधान के रूप में संरक्षणवादियों द्वारा ईएसजेड मानदंड का सुझाव दिया गया है।
- विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से केरल को ईएसजेड से छूट देने का आग्रह किया।
- केरल की घनी आबादी, भूमि की गंभीर कमी और वन्यजीव आवासों के पास महत्वपूर्ण मानव उपस्थिति के कारण कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण होगा।

सारांश:

- केरल में मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है, 48,000 से अधिक फसल क्षति की घटनाएं दर्ज की गई हैं। कारणों में आवास परिवर्तन और जनसंख्या वृद्धि शामिल है। प्रस्तावित समाधानों में बेहतर बाड़ लगाना और पूर्व चेतावनी प्रणालियाँ शामिल हैं, लेकिन चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनमें ईएसजेड मानदंडों का विरोध भी शामिल है।

नए एआई कैमरे से सोशल मीडिया पर लाइव तस्वीरें आने से इडुक्की के जंगलों में हाथियों की ट्रैकिंग आसान हो गई है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पारिस्थिकी एवं पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: पर्यटन के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग।

विवरण:

- इडुक्की में वन विभाग ने जंगली हाथियों की निगरानी के लिए अनाक्कुलम में एक एआई-संचालित कैमरा प्रणाली शुरू की है।
- कैमरे से लाइव छवियां 'अनाक्कुलम एलिफेंट ओरु' नामक टेलीग्राम चैनल के माध्यम से पर्यटकों के लिए उपलब्ध होंगी।
- यह पहल मंकुलम वन प्रभाग और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, इडुक्की के बीच एक सहयोग के माध्यम से की जा रही है।

स्थापना और कार्यक्षमता:

- अनाक्कुलम में वाटरहोल के पास स्थापित एआई कैमरा जंगली हाथियों के झुंड की लाइव तस्वीरें कैप्चर करता है।
- उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनल पर अनुरोध भेजकर 30 सेकंड से एक मिनट के भीतर इन छवियों को प्राप्त कर सकते हैं।

बेहतर पर्यटक अनुभव:

- इस पहल का उद्देश्य वाटरहोल पर जंगली हाथियों की उपस्थिति पर वास्तविक समय पर अपडेट प्रदान करके पर्यटक अनुभव को बढ़ाना है।
- पर्यटक अब आत्मविश्वास से अनाक्कुलम की यात्रा कर सकते हैं, अब वे यह जानते हैं कि वे बिना किसी डर के जंगली हाथियों को देख सकते हैं।

वन्यजीव संरक्षण पर प्रभाव:

- यह प्रणाली जंगली हाथियों की गतिविधियों की निगरानी की सुविधा प्रदान करती है, जिससे उनके संरक्षण में सहायता मिलती है।
- यह वन अधिकारियों और पर्यटकों को प्रारंभिक चेतावनी प्रदान करके मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी मदद करता है।

अनाक्कुलम का महत्व:

- मनकुलम वन प्रभाग के भीतर स्थित अनाक्कुलम, पश्चिमी घाट में एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है।
- यह क्षेत्र एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गया है, जो वन्यजीवों, विशेषकर जंगली हाथियों को देखने में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित करता है।
- अनाक्कुलम में अद्वितीय जल स्रोत, अपने विशिष्ट नमकीन स्वाद के साथ, निकट के पड़ोसी जंगलों से जंगली हाथियों को आकर्षित करता है, विशेष रूप से मलयटूर वन प्रभाग के अंतर्गत।

सारांश:

- इडुक्की के अनाक्कुलम में एआई-संचालित कैमरा सिस्टम की शुरुआत जंगली हाथियों के झुंड की वास्तविक समय की कल्पना प्रदान करके पर्यटक अनुभवों को बढ़ाती है। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देना और क्षेत्र में मानव-

वन्यजीव संघर्ष को कम करना है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. अमेरिकी जहाज पर दो बार हमला होने के बाद यूरोपीय संघ ने लाल सागर मिशन शुरू किया:

प्रसंग:

- इस क्षेत्र में अमेरिकी स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज पर बार-बार हमलों के बाद, यूरोपीय संघ (European Union) ने यमन के हौथी विद्रोहियों से लाल सागर शिपिंग की सुरक्षा के लिए एक नौसैनिक मिशन शुरू किया है।

मुद्दा:

- इजराइल-हमास संघर्ष के दौरान फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का हवाला देते हुए, ईरान द्वारा समर्थित हौथिस ने नवंबर से महत्वपूर्ण शिपिंग लेन को निशाना बनाया है।
- यूरोपीय संघ के मिशन, जिसका नाम एस्पाइड्स (ग्रीक में "शील्ड") है, का लक्ष्य कुछ हफ्तों में कम से कम चार जहाजों को तैनात करना है। समवर्ती रूप से, अमेरिका क्षेत्र में अपने नौसैनिक गठबंधन का नेतृत्व करता है।
- हाल के हमलों में अदन की खाड़ी में कुछ घंटों के भीतर दो मिसाइल हमलों का सामना करने वाला एक ग्रीक ध्वज वाला मालवाहक जहाज शामिल है।

2. नीलगिरि पर प्रतिबंध:

प्रसंग:

- ऊटाकामुंड में, शराब की दुकानों की नीलामी के दौरान एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया।

मुद्दा:

- उप-कलेक्टर ने, राजस्व अधिकारियों के साथ घोषणा की कि बडागास, टोडा, कोटा, कुरुम्बा और इरुला सहित पहाड़ी जनजातियों को तब तक शराब का सेवन करने से प्रतिबंधित किया जाता है जब तक कि चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित न हो।
- हालांकि, इस उपाय को सार्वजनिक अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, क्योंकि इसने संभावित तस्करी गतिविधियों के बारे में चिंता जताई।
- नतीजतन, आंशिक निषेध के विरोध में आवाज उठाने और इसके बजाय पूर्ण निषेध की वकालत करने के लिए एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाती है।
- जनता के बीच असहमति के बावजूद, प्रभावित समुदायों के कुछ वर्गों ने निषेध उपाय का स्वागत किया, जो नीति परिवर्तन के लिए एक सूक्ष्म प्रतिक्रिया का संकेत देता है।

महत्व:

- यह स्थिति शराब विनियमन से जुड़ी जटिलताओं को उजागर करती है और सामाजिक चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए समावेशी नीति चर्चा की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

3. सौ साल पहले, सत्येन्द्र नाथ बोस ने भौतिकी को हमेशा के लिए बदल दिया:

प्रसंग:

- सत्येन्द्र नाथ बोस ने 1924 में इस क्षेत्र में एक गहरी उथल-पुथल के बीच भौतिकी के क्षेत्र में प्रवेश किया।
- उभरते क्वांटम सिद्धांत को रास्ता देने वाले स्थापित सिद्धांतों के साथ भौतिकी एक आमूलचूल परिवर्तन से गुजर रही थी।

मुद्दा:

- ढाका विश्वविद्यालय में एक व्याख्याता के रूप में, बोस ने फोटॉनों के व्यवहार को स्पष्ट करने वाले अभूतपूर्व समीकरणों का अनावरण किया, जो क्वांटम पहली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

- हालाँकि इन्हे शुरू में संदेह का सामना करना पड़ा, अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा इसका समर्थन करने के बाद बोस के काम को मान्यता मिली, जो वैज्ञानिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था।
- उनके अपने मित्र मेघनाद साहा के साथ सहयोग करते हुए, बोस ने नए भौतिकी प्रतिमानों को पढ़ाने और समझने की जटिलताओं को दूर किया।
- प्लैंक के ब्लैक-बॉडी विकिरण के नियम को प्राप्त करने में उनके मौलिक योगदान ने क्वांटम सांख्यिकी को नया रूप दिया और बोसॉन और फर्मियन को समझने के लिए आधार तैयार किया।
- एक विरल प्रकाशन रिकॉर्ड के बावजूद, बोस का प्रभाव आधुनिक भौतिकी के माध्यम से प्रतिध्वनित होता है, जो वैज्ञानिक जांच के एक प्रकाश के रूप में उनकी स्थिति को रेखांकित करता है क्योंकि हम उनकी खोज की शताब्दी के करीब पहुंच रहे हैं।

महत्व:

- विरल प्रकाशन रिकॉर्ड के बावजूद, बोस का प्रभाव आधुनिक भौतिकी के माध्यम से गूंजता है, वैज्ञानिक जांच के एक प्रकाशक के रूप में उनकी स्थिति को रेखांकित करता है क्योंकि हम उनकी खोज के शताब्दी वर्ष के करीब पहुंच रहे हैं।
- सत्येन्द्र नाथ बोस और उनके योगदान से संबंधित अधिक जानकारी के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए: [Satyendra Nath Bose](#)

4. शनि के चंद्रमा मीमास की परत के नीचे एक महासागर हो सकता है:

प्रसंग:

- प्रतिष्ठित जर्नल नेचर में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में, खगोलविदों ने शनि के प्रमुख चंद्रमाओं में से एक, मीमास की दिलचस्प संभावना का प्रस्ताव दिया है, जिसकी गड्ढायुक्त सतह के नीचे एक तरल महासागर है।

- प्रतिष्ठित पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में, खगोलविदों ने शनि के प्रमुख चंद्रमाओं में से एक, मिमास की पेचीदा संभावना का प्रस्ताव दिया है, जिसकी गड्ढायुक्त सतह के नीचे एक तरल महासागर है।

मुद्दा:

- अन्य चंद्रमाओं की तुलना में अपने छोटे आकार के बावजूद, मिमास ने अपनी अनूठी स्थलाकृति के कारण ध्यान आकर्षित किया है, स्टार वार्स में प्रतिष्ठित अंतरिक्ष स्टेशन के समान दिखने के कारण इसे "डेथ स्टार" उपनाम मिला है।
- नासा के कैसिनी (Cassini) अंतरिक्ष यान के डेटा का उपयोग करते हुए, वैज्ञानिकों ने मिमास के कक्षीय व्यवहार का विश्लेषण किया और इसके कंपन और कक्षीय परिवर्तनों के आधार पर एक उपसतह महासागर की संभावित उपस्थिति का अनुमान लगाया।
- बर्फ के खोल की अनुमानित मोटाई और सतह से निकलने वाली गर्मी एक जलतापीय रूप से सक्रिय कोर का सुझाव देती है, जो शनि के चंद्रमा एन्सेलाडस की याद दिलाती है।

महत्व:

- ये निष्कर्ष हमारे सौर मंडल के विविध खगोलीय पिंडों के भीतर होने वाली गतिशील भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालते हैं, जो ग्रहों के विकास की हमारी समझ को चुनौती देते हैं।

5. ब्रेकथ्रू पुरस्कार विजेता ने 'कीमती' प्रोटीन संरचनाओं को इकट्ठा करने का आह्वान किया:

प्रसंग:

- ब्रेकथ्रू पुरस्कार के प्राप्तकर्ता जॉन जम्पर ने एक केंद्रीय भंडार में प्रोटीन संरचनाओं को इकट्ठा करने और समेकित करने के महत्व पर जोर दिया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- इस प्रोटीन अनुक्रमण में तेजी से प्रगति और प्रोटीन संरचनाओं को निर्धारित करने में धीमी प्रगति के बीच की खाई को पाटने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
- यह एआई-संचालित दृष्टिकोण न केवल संरचना निर्धारण की प्रक्रिया को तेज करता है बल्कि वैज्ञानिक खोज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) की परिवर्तनकारी क्षमता को भी उजागर करता है।
- जम्पर के चल रहे प्रयास प्रोटीन की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए संरचनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए अल्फाफोल्ड की बहुमुखी प्रतिभा और प्रयोज्यता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे प्रोटीन डेटा बैंक (Protein Data Bank (PDB)) जैसे व्यापक डेटाबेस में योगदान मिलता है।

महत्व:

- मशीन लर्निंग में विविध डेटा का महत्व बताते हुए कि व्यापक और अधिक विविध डेटासेट एमएल के क्षेत्र में अधिक प्रभावी समस्या-समाधान की सुविधा प्रदान करते हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आईऑन्कोलॉजी एआई (iOncology AI) का लक्ष्य उन 3,000 कैंसर रोगियों के जीनोम को अनुक्रमित करना है जो वर्तमान में एम्स में इलाज की मांग कर रहे हैं।
2. जीनोमिक अनुक्रमण के माध्यम से, वे हमारी आनुवंशिक संरचना को समझते हैं और हमारे जीन में परिवर्तन का पता लगाते हैं।
3. विश्व स्तर पर, कैंसर के इलाज के लिए एआई के उपयोग में रुचि बढ़ रही है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- आईऑन्कोलॉजी एआई परियोजना का उद्देश्य उन 3,000 कैंसर रोगियों के जीनोम को अनुक्रमित करना है जो वर्तमान में एम्स में इलाज की मांग कर रहे हैं। विश्व स्तर पर, कैंसर के इलाज के लिए एआई के उपयोग में रुचि बढ़ रही है।
- दुनिया भर में कैंसर के निदान, उपचार और अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा भारत का सबसे बड़ा रबर उत्पादक राज्य है?

- (a) त्रिपुरा
- (b) केरल
- (c) असम
- (d) कर्नाटक

उत्तर: b

व्याख्या:

- केरल शीर्ष रबर उत्पादक राज्य है। अन्य राज्य त्रिपुरा, कर्नाटक, असम आदि हैं।

प्रश्न 3. 'ओडीसियस' (Odysseus), जिसे हाल ही में समाचारों में देखा गया, को सबसे अच्छी तरह से पहचाना जा सकता है:

- (a) स्पेसएक्स का चंद्रमा लैंडर
- (b) शनि पर नासा का आगामी मिशन
- (c) स्पेसएक्स का दूसरी पीढ़ी का उपग्रह इंटरनेट मिशन

(d) यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का आगामी सूर्य अन्वेषण मिशन

उत्तर: a

व्याख्या:

- 'ओडीसियस' स्पेसएक्स के चंद्रमा लैंडर को संदर्भित करता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में एक महत्वपूर्ण विकास है।
- यह अंतरिक्ष यान भविष्य के चंद्र अभियानों के लिए वादा करता है, जो पृथ्वी की कक्षा से परे स्पेसएक्स के उपक्रमों में एक उल्लेखनीय प्रगति का प्रतीक है।

प्रश्न 4. ला-नीना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ऐसा माना जाता है कि भारत में मॉनसून वर्षा एल नीनो से काफी प्रभावित होती है, लेकिन ला नीना से नहीं।
2. देश के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में महासागरों से निकटता के कारण हमेशा प्रदूषण का स्तर अपेक्षाकृत कम रहा है।
3. वर्ष 2022 की सर्दियों में इस सामान्य से एक महत्वपूर्ण विचलन देखा गया। दिल्ली सहित उत्तरी भारतीय शहर सामान्य से अधिक स्वच्छ थे, जबकि पश्चिम और दक्षिण के मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में हवा की गुणवत्ता सामान्य से अधिक खराब थी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- हालाँकि अल नीनो मानसूनी वर्षा को दबा देता है, जबकि ला नीना अक्सर इसे बढ़ा देता है।
- इसलिए, यह कथन कि भारत में मानसूनी वर्षा केवल अल नीनो से प्रभावित होती है, ला नीना से

नहीं, गलत है।

- अन्य दो कथन सही हैं।

प्रश्न 5. किसी राज्य के राज्यपाल को निम्नलिखित में से कौन सी विवेकाधीन शक्तियाँ दी गई हैं?

1. राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए भारत के राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजना।
2. मंत्रियों की नियुक्ति।
3. राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कुछ विधेयकों को भारत के राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित करना।
4. राज्य सरकार के कार्य संचालन हेतु नियम बनाना।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: b

व्याख्या:

- राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के मामले में, राज्यपाल राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट भेज सकते हैं।
- राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित कर सकता है, खासकर यदि वे राज्य विधानमंडल के दायरे से बाहर के मामलों से संबंधित हों।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. मानव-पशु संघर्ष क्यों बढ़ रहा है और इसे कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? (10

अंक, 150 शब्द) [जीएस-3, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण] (Why are man-animal conflicts on the rise and what can be done to reduce this? (10 marks, 150 words) [GS-3, Environment and Ecology])

प्रश्न 2. नए राज्यों के निर्माण की मांग जायज है या नहीं। टिप्पणी कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

[जीएस-2, राजव्यवस्था] (The demand for the creation of new states is justified or not.

Comment. (10 marks, 150 words) [GS-2, Polity])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर  की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

